Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-15 **Issue-** 03
Ghaziabad, Sunday, 18 June- 2023

18 June to 24 June- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18

RNI.No: UPBIL/2009/28691

DAVP Code:101473

Editor: Dheeraj Kumar

Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

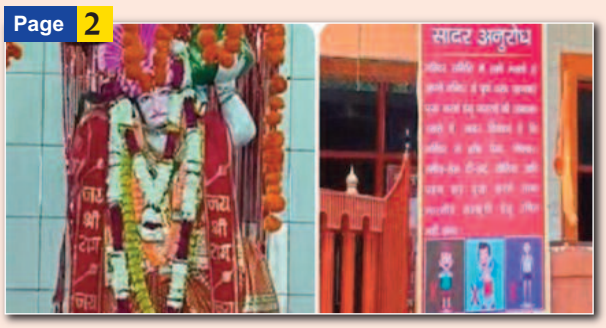

Page 5

Page 7

TIRUPATI EYE

भीषण गर्मी और बिजली कटौती से हाहाकार

उत्तर प्रदेश में तेज धूप और भीषण गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा है। आसमान से जैसे आग बरस रही है। मजबूरीवश लोगों को सूरज के प्रकोप से बचने के लिए छाता लेकर या मुंह ढक कर चलना पड़ रहा है। बलिया में गर्मी से 54 लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरे जिलों में भी गर्मी से लोगों के मरने की खबर है। प्रदेश के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा है। प्रदेश में मॉनसून का इंतजार भी लंबा होता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत के राज्यों में मॉनसून के पहुंचने में तकरीबन 1 जूलाई तक का वक्त लग सकता है। फिलहाल, प्रदेश वासियों को गर्मी से राहत नहीं मिलती दिख रही है। गर्म हवाओं के बीच पड़ रही रिकार्डतोड़ गर्मी ने गाजियाबाद के साथ उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों पूरी तरह अस्त- व्यस्त कर दिया है। अभी जून का पूरा महीना भी बाकी है, अभी लोगों को गर्मी से निजात नहीं मिलने वाली। हालांकि गाजियाबाद में गर्मी के कारण मरने वालों की कोई औपचारिक सूचना नहीं है लेकिन गर्मी से होने वाली बीमारी से कई लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग का कहना है कि जुलाई में ही गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। भीषण गर्मी और ऊपर से बिजली कटौती ने लोगों में हाहाकार मचा रखा है।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

अगस्त में प्रधानमंत्री करेंगे रैपिडएक्स का उदघाटन

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। भारत की पहली रैपिड रेल परियोजना के पहले चरण का काम लगभग पूरा हो गया है। पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई तक रैपिड रेल चलाई जाएगी। मेट्रो के संचालन की तरह ही रैपिड रेल के संचालन के लिए कंपनी का गठन किया गया है। जिसे नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन नाम दिया गया। रैपिड रेल को नया नाम रैपिड एक्स मिला है।

रैपिड एक्स के लिए स्टेशनों का काम पूरा हो गया है। सफर में टिकट के लिए ऑटोमेटिक मशीन लगाने का काम पूरा हो गया है।

सभी स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनें लगा दी गई है। इससे यात्रियों को यूपीआई का विकल्प भी है। इसके लिए मशीन पर एक क्यूआर कोड आएगा, जिसके माध्यम से यात्री पेमेंट कर सकेंगे।

यूपीआई के अलावा बैंक नोट, क्रेडिट और डेबिट कार्ड और एनसीएमसी कार्ड वैलेट के जरिए भी टिकट लिया जा सकता है।

अगस्त में शुरू हो सकता है संचालन

रेल सेवाओं को गति देने के उददेश्य से शुरू की जा रही रैपिड रेल के पहले चरण का शुभारंभ अगस्त में हो सकता है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश सरकार की ओर से प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले चरण का काम जुलाई के पहले सप्ताह तक पूरा होने की जानकारी दे दी गई। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से शुभारंभ की तिथि तय की जाएगी।

यह भी कहा जा रहा है कि 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में पश्चिम उत्तर प्रदेश में रैली करने के दौरान प्रधानमंत्री रैपिड एक्स का उदघाटन कर सकते हैं यानि प्रधानमंत्री द्वारा एक साल रैपिड रेल का उदघाटन और जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम तय किया जा रहा है।

अंतिम चरण का काम जारी है

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिडएक्स यानि रैपिड रेल के संचालन को लेकर काफी समय से तैयारियां चल रही है। रेल का यह रूट निर्माण के अंतिम चरण में हैं। ट्रेनों का ट्रायल रोज किया जा रहा है। पहले चरण में दुहाई डिपो से साहिबाबाद स्टेशन तक रैपिड रेल रफ्तार भरेगी। प्रत्येक ट्रेन में एक कोच महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। आगे से दूसरे नंबर का कोच सिर्फ महिलाओं का होगा।

अन्य राज्यों में भी रैपिड रेल

रैपिड रेल को दिल्ली से राजस्थान के अलवर तक चलाने की मंजूरी मिल चुकी है। इस रूट पर भी काम चल रहा है। वहीं, हरियाणा सरकार ने दिल्ली से गुरुग्राम और पानीपत के लिए दो रूट पर रैपिड रेल चलाने का फैसला लिया है।

यूपी की देखादेखी अब दूसरे राज्यों में भी बड़े शहरों को आपस में जोड़ने के लिए रैपिड रेल परियोजना को मंजूरी दी जा रही है। मुंबई और पुणे को जोड़ने के लिए रैपिड रेल की डीपीआर बनाई जा रही है।

वंदे भारत से भी तेज गति से दौड़ेगी

रैपिड रेल की सबसे बड़ी खासियत इसकी स्पीड है। ट्रेन की अधिकतम गति 180 किमी प्रति घंटा होगी। हालांकि परिचालन के दौरान इसकी स्पीड 160 किमी प्रति घंटा होगी। वहीं वंदे भारत एक्सप्रेस की गति भी 180 किमी प्रति घंटा है। लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे 130 की स्पीड से चलाई जा रही है।

कॉरिडोर की कुल लंबाई 82 किमी

रेपिड रेल के कॉरिडोर की कुल लंबाई 82 किमी है। इसमें 14 किमी का हिस्सा दिल्ली में है बाकी 68 किमी उत्तर प्रदेश में हैं।

इसके पहले चरण में 17 किमी में परिचालन किया जाएगा। यह परिचालन साहिबाबाद स्टेशन से दुहाई के बीच होगा। इसमें पांच स्टेशन साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो स्टेशन है। दुहाई डिपो स्टेशन में ट्रेन का कमांड कंट्रोल सिस्टम बनाया गया है।

गाजियाबाद में कावड़ यात्रा को लेकर रोड मैप तैयार

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने रोड मैप तैयार किया है। गाजियाबाद से इस बार भी दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा के लाखों कांवड़िये गुजरेंगे। गंगोत्री, यमुनोत्री, हरिद्वार, नीलकंठ और गढ़ गंगा से लाखों शिवभक्त कांवड़ लेकर गाजियाबाद के रास्ते दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब जाएंगे। जिले में कांवड़ के दो मार्ग हैं, इनमें एक मार्ग 25 किमी लंबा मुरादनगर से टीला मोड

पाइपलाइन रोड तक और दूसरा 42.5 किमी लंबा कादराबाद बार्डर से गाजियाबाद-दिल्ली बार्डर तक है। कांवड़ यात्रा के मुख्य और सहायक मार्ग को 30 जून तक गड्ढामुक्त करने की तैयारी है। इसके लिए जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान जिले को चार सुपर जोन में बांटा गया है। गंगनहर, मेरठ तिराहे, टीला मोड़ और जिला मुख्यालय पर चार कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। गंगनहर पर गोताखोरों के साथ-साथ एनडीआरएफ की टीमों को भी लगाया जाएगा।

मथुरा-वृंदावन के बाद प्रदेश के मंदिरों में भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है, अब तो सोसाइटी में भी लुंगी और नाइटी में बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई

क्या ड्रेस कोड लगाना सही है?

TBC Big Story

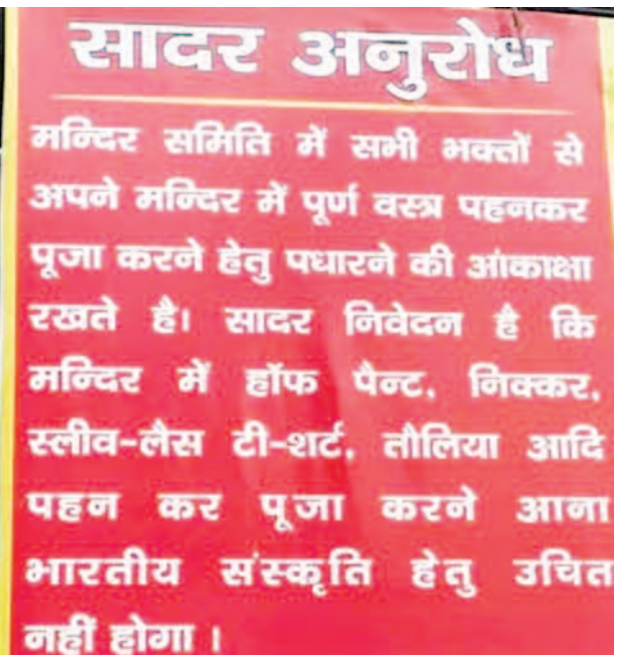

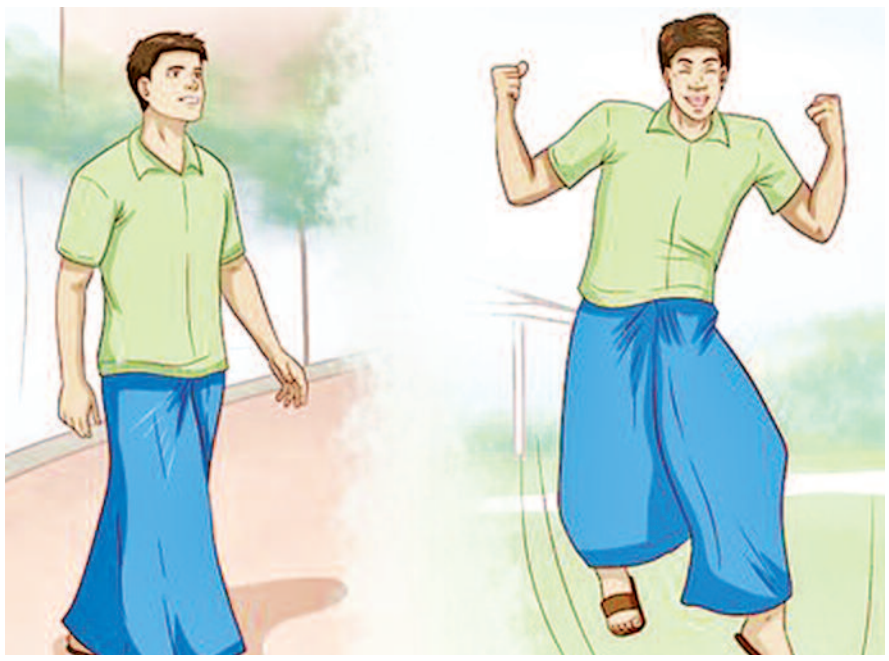

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद और गौतम बुद्धनगर में पिछले सप्ताह कई स्थानों पर संस्था व लोगों ने खुद ही नियम कानून बना लिए। अश्लीलता के नाम पर कई जगहों पर डेस कोड लागू किए गए। इनमें कई मंदिर है तो कई सोसाइटी है। दरअसल, वृंदावन और मथुरा के कई मंदिरों में श्रद्धालुओं से पूरे बाजुओं और शरीर को ढक कर आने की अपील की गई। इसकी देखादेखी अब गाजियाबाद और नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भी खुद से ही डेस कोड लागू किया जा रहा है। अब ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी में भी ड्रेस कोड को लागू कर दिया गया है। सोसाइटी में लोगों से कहा गया कि वे लुंगी और नाइटी पहनकर बाहर ना निकलें।

अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन की ओर से यह आदेश जारी किया गया है। एओए का कहना है कि उसके पास शिकायत की गई थी कि लोग लुंगी पहनकर योग करते हैं। पार्क में आपत्तिजनक स्थिति में बैठते हैं। इसके बाद एओए ने सर्कुलर जारी किया। अब दूसरे लोगों की ओर से विरोध शुरू हो गया है। लोगों ने कहा कि कोई क्या पहनेगा, इस पर आदेश नहीं दिया सकता है। हालांकि एओए का कहना है कि उसने आग्रह किया है, किसी तरह का बैन नहीं लगाया है।

एओए के स्दस्यों का कहना है कि कोई क्या पहनेगा इस उसके विवेक पर निर्भर है। पब्लिक में कम कपड़ों में या लुंगी बनियान में बात अच्छी नहीं लगती है। सोसाइटी में महिलाएं भी घूमती रहती है। बच्चे भी रहते हैं।

यही कारण है कि लोगों से अपील की गई है कि वे लुंगी में पार्क या योग शालाओं ने न आएं। इसमें कोई सवाल उठाने की बात नहीं है। वहीं, विरोध करने वालों का तर्क है कि कोई क्या पहनता है, यह लोगों की व्यक्ति च्वाइस है। आज कह रहे हैं कि लुंगी पहनकर न आए, कल को कहेंगे कि घर में चिकन मत खाओ। दूध मत पियो।

लोग तो बालकनी में कच्छे में खड़े हो जाते हैं। क्या उन्हें रोका जा सकता है? नहीं तो लुंगी-नाइटी में बाहर जाने का आदेश बेमानी है। कोई क्या पहनेगा, इसका आदेश नहीं दिया जा सकता है। एक महिला ने कहा कि यह व्यक्ति की निजी पसंद का मामला है। कोई भी लड़की अपनी पसंद के हिसाब से कपड़े पहन सकती है। लेकिन इतना अवश्य ख्याल रखना है कि सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता नहीं होनी चाहिए। जहां और जिस स्थिति में अश्लीलता को बढ़ावा मिल रहा है, उस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए।

गाजियाबाद के मंदिर में भी डेस कोड लागू कर दिया गया। संजय नगर स्थित हनुमान मंदिर में अब आने वाले भक्तों पूरी बाजू वाली ड्रेस पहनकर आने पर ही प्रवेश मिलेगा। ड्रेस कोड के तहत परिधान नहीं पहनने वालों को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मंदिर में नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। ड्रेसकोड के नियमों को लेकर एक बोर्ड भी मंदिर परिसर में लगाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भक्त अर्धवस्त्र पहनकर न आएं। भारतीय परंपरा के अनुसार ही मंदिर में वस्त्र पहनाकर प्रवेश करें, पश्चिमी सभ्यता के परिधान पहनकर मंदिर में न आएं।

मंदिर के पुजारियों व भक्तो के आग्रह पर यह कदम उठाया गया है। मंदिर के मुख्य ट्रस्टी वी के अग्रवाल के अनुसार मंदिर में कुछ युवक युवतियां पश्चिमी संस्कृति के वस्त्र पहन कर पूजा करने के लिए आने लगे हैं। इस पर अन्य भक्तों ने इसे भारतीय संस्कृति के विरुद्ध बताते हुए समिति से ड्रेस कोड लागू करने की मांग की थी, जिस पर अब मंदिर में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। साथ ही, सभी भक्तों से इसमें सहयोग की अपील भी की गई है।

क्या कहते हैं कानून के जानकार

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता नाहर सिंह यादव का कहना है कि इस तरह कोई भी ड्रेस कोड लागू नहीं कर सकता है। यह लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन है। लोग क्या खाएंगे, क्या पहनेंगे यह मौलिक अधिकारों में आता है। हां, अगर कपड़े से नग्नता को बढ़ावा मिलता है तो आपत्ति दर्ज की जा सकती है लेकिन उसे बैन नहीं किया जा सकता है। हाल ही में दिल्ली मेट्रो का एक मामला सामने आया था जिसमें एक लड़की छोटे कपड़ों में सफर कर रही थी। मेट्रो के सुरक्षाकर्मियों द्वारा उस लड़की को रोका तो नहीं गया। मीडिया में मामला सामने आने के बाद लड़की को समझाया गया, उसकी काउंसलिंग की गई लेकिन उसे कही जाने से रोका नहीं गया। इस तरह मंदिरों में या दूसरे स्थानों पर कम या छोटे कपड़ों में आने वालों को बैठाकर समझाया जा सकता है कि आपके कपड़ों से दूसरे लोगों को आपत्ति है। आप ऐसी ड्रेस में न आएं। लेकिन आप उसको आने से रोक नहीं सकते हैं। इसके लिए सबसे बेहतर तरीका काउंसलिंग का है।

क्या कहते हैं गाजियाबाद के लोग

मंदिरों और सोसाइटी में ड्रेस पहनकर आने वालों के लिए नियम जारी होने को लेकर गाजियाबाद के लोगों में एकमत नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि मंदिरों में तो सही और सभ्य ड्रेस में आना जरूरी है लेकिन सोसाइटी में आप किस ड्रेस में आ जा रहे हो, यह विशुद्ध व्यक्तिगत मामला है।

संजय नगर निवासी आरती सिंह का कहना है कि मंदिर एक धार्मिक स्थल होता है। यहां लोगों की धार्मिक भावनाएं जुड़ी होती है। मंदिरों में पश्चिमी ड्रेस में आने से परहेज करना चाहिए। दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों को देख लीजिए। गुरुद्वारों में आपको सभी भक्त पूरे शरीर को ढके हुए ही मिलेंगे। महिलाएं भी माथे तक को ढाके रहती है। मस्जिदों में तो महिलाओं के प्रवेश पर ही रोक है। तो फिर अगर मंदिरों में पूरे शरीर को ढक कर आने के लिए कहा जाता है तो बुराइ नहीं है।

गोविंदपुरम निवासी सुनील वर्मा का कहना है कि धार्मिक स्थलों पर तो ड्रेस कोड लागू करने में कोई बुराई नहीं है लेकिन घरों के बाहर या सोसाइटी में कोई नियम नहीं लग सकता है। लोगों की व्यक्तिगत आजादी का उल्लंघन नहीं हो सकता है।

वसुंधरा सेक्टर-2बी निवासी मीनू का कहना है कि अश्लीलता लोगों की नजरों में होती है। आजकल फैशन का जमाना है। लोग खासकर महिलाएं जहां भी जाती है, सजधज कर अपने फैशन में जाती है। बदलते समय में ड्रेस में भी बदलाव आ गया है। हमें समय के साथ जीने का तरीका अपनाना होगा।

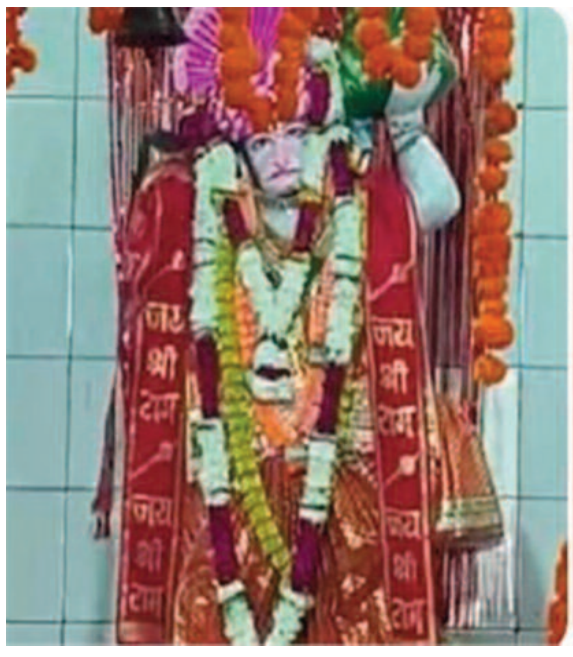

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग सप्ताह शुरू

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शहर में एक सप्ताह का विशेष योग समारोह शुरू हो गया है। इसके तहत शहर के विभिन्न इलाकों में विशेष योग शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में नए लोगों को योग से होने वाले लाभों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही नए लोगों को योगाभ्यास कराया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से गुरुवार को 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह का आयोजन किया गया। मोहन नगर स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित योग सप्ताह के समारोह का मेयर सुनीता दयाल से शुभारंभ किया। सिविल डिफेंस के सहयोग से आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में योग साधकों ने भाग लिया। रोचक बात यह है कि शिविर में ऐसे लोगों की संख्या काफी ज्यादा थी, जो पहली बार योग करने पहुंचे थे।

उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति से पता चलता है कि योग के प्रति आम जनमानस की भावना, निष्ठा एवं विश्वास बढ़ा है। योग केवल एक दिन के लिए नहीं अपितु प्रतिदिन निरोग रहने के लिए है।

आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है इसलिए हम सबकी पहली जिम्मेदारी स्वस्थ शरीर- निरोगी काया के प्रति होनी चाहिए। स्वस्थ व्यक्ति समाज के विकास में भी ऊजार्वान होकर कार्य कर सकता है इसलिए योगसाधना के लिए निरंतर अभ्यास आवश्यक है। हमें इसे दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए।

मुख्य अतिथि मेयर सुनीता दयाल ने विश्व पटल पर भारत को योग गुरु के रूप में सम्मान दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। उन्होंने कहा कि योग को नित्य जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। स्वस्थ शरीर को सफल जीवन की सफलता की प्रथम सीढ़ी कहा जाता है। ऐसे में योग को दिनचर्या बनाना होगा।

उत्तर प्रदेश योग एसोसिएशन के छात्र-छात्राओं ने योग नृत्य के माध्यम से वंदे मातरम की प्रस्तुति दी। जिसकी वहां उपस्थित सभी योग साधकों ने भरपूर सराहना की। योगाचार्य डॉ. यश पाराशर ने योग प्रोटोकॉल कराया। लगभग एक घंटे तक चले इस योग सत्र में हजारों की तादाद में छात्र-छात्राओं, युवाओं, अधिकारियों एवं शहर के नागरिकों ने हिस्सा लिया। अंतिम चरण में योग नृत्य प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कार एवं योग गुरु को सम्मानित किया गया। अपर नगर आयुक्त अरुण यादव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर डिप्टी चीफ वार्डन सिविल डिफेंस अनिल अग्रवाल, एडीसी संजय गर्ग, डिविजनल वार्डन राजेंद्र शर्मा, एके जैन, सुजीत प्रसाद, रमन सक्सेना, मंजूर हसन, अशोक कुमार, सुनील गर्ग आदि अनेकों वार्डन के साथ केईसी इंजीनियरिंग कॉलेज, इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स शामिल हुए।

गाजियाबाद में विकसित होंगे पांच निजी औद्योगिक पार्क

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार की प्लेज योजना के तहत जिले में पांच निजी औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। ये सभी औद्योगिक पार्क निजी कंपनियों की ओर से विकसित किए जाएंगे। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्लेज योजना को लेकर अधिकारियों और निजी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पांच निवेशकों की ओर से जिले में निजी औद्योगिक पार्क विकसित किए जाने को लेकर अवलोकन, परीक्षण और संस्तुति को समिति के सामने प्रस्तुत किया गया। जिन पांच निजी कंपनियों ने औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव दिया है उनमें चित्रा रियलकॉन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से बताया गया कि पार्क के लिए जमीन की खरीद कर ली गई है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की महायोजना 2021 में भूमि का उपयोग कृषि होने के कारण कंपनी की ओर से 1 अप्रैल 2023 को लैंडयूज चेंज कर कृषि से औद्योगिक करने की मांग की गई थी। जीडीए की बोर्ड बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव पेश करना है।

इसके अलावा आरजी रियल कॉम प्रा. लि. दिल्ली के निदेशक करण जैन ने बैठक में बताया कि उनके द्वारा लोनी के गांव दौलतपुर में जमीन की खरीद कर ली गई है। भूमि का उपयोग जीडीए के मास्टरप्लान-2021 में कृषि है। पार्क के लिए डीपीआर और प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करना है। लैंडयूज चेंज करने के लिए जीडीए को आवेदन करना है।

गांव भाटखेड़ी लोनी के कारोबारी रवि सचान ने बताया कि जीडीए के मास्टर प्लान में गांव भूपखेड़ी अधिसूचित गांवों की सूची में शामिल नहीं है। कंपनी की ओर से तहसील लोनी से गांव का नक्शा हासिल कर प्रस्ताव और प्रस्तावित नक्शा पास कराना है।

हापुड़ रोड मोदीनगर स्थित मेसर्स मोदीपोन लिमिटेड की ओर से मोदीनगर में 50 एकड़ जमीन पर निजी औद्योगिक पार्क विकसित किया जाना है। कंपनी की ओर से भूस्वामी के प्रपत्र उपलब्ध करा दिए गए हैं। मेसर्स धर्म इंडस्ट्रीज पार्क एलएलपी की ओर से नूरपुर में निजी औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा। कंपनी के डीजीएम रोहित मित्तल ने कहा कि जमीन के लिए किसानों से अनुबंध किए जा रहे हैं।

Editorial

Plastic Ban in India: An eyewash

Plastic has become a major cause of concern as far as tackling pollution is concerned. It not only damages soil fertility but causes damage to sewer system. The world generates approximately 400 million tonnes of plastic waste each year, 60 per cent of which ends up in the natural environment or landfills, including the eight million tonnes that enter the oceans every year. Some 120 out of the 195 countries in the world have already instituted either a ban or a cess on plastic products to discourage their use. But the implementation of these laws is worse than patchy. Take India, for example. In July last year, the country banned 19 single-use plastic items like spoons, straws, plates and polythene bags that are less than 120 microns thick. Almost a year later, the Central Pollution Control Board has conceded that the ban — it only targeted 2-3 per cent of the plastic waste generated — has been flouted with impunity. A limited ban will not impact the big players. The focus should be on moving away from the use-and-throw economy to one which is designed for reusable and sustainable packaging. The government claims that a large number of plastic units are making the switch to using packaging alternatives such as cotton, jute, paper and crop stubble waste. However, the alternatives sector does not produce at a scale that will enable businesses all over the country to make the environment-friendly transition. This is the sector that needs attention and policy incentives. But all the plastic waste in India is not generated by the nation alone. More than 25 countries dumped 1,21,000 metric tonnes of plastic waste in India in 2019, even though the import of plastic waste is banned in India. This is true of other third-world countries. It is thus unfair of the United States of America and other European nations, which export anywhere between 5-20 per cent of their plastic, to demand that the terms of the zero draft be decided through majority votes.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Yogi Adityanath Becomes 1st Chief Minister To Reach 25 Million Twitter Followers

With 25M followers on Twitter, he joins veteran leaders like PM Modi and Amit Shah in a club who have already crossed that mark on the microblogging site.

Lucknow: Setting new records of popularity on social media platforms, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath's official Twitter handle @myogiadityanath has crossed the 25 million followers mark on the microblogging site Twitter, said a statement by the Chief Minister's Office on Wednesday.

It is noteworthy that the chief minister's popularity transcends borders. Several leaders and celebrities are yet to reach this mark in terms of followers on social media, the statement added.

He is also the first chief minister to cross this number on Twitter. He has achieved this figure in a span of eight years. He started his official handle on Twitter in September 2015.

After assuming power in Uttar Pradesh in 2017, his popularity has seen a qualitative increase with the way he showed extensive reforms in law and order along with development and good governance in the state.

With 25M followers on Twitter, he joins veteran leaders like PM Modi and Amit Shah in a club who have already crossed that mark on the microblogging site.

It is notable that he keeps on communicating with people offline as well as online. The Chief Minister is active on all social media platforms. He also has a large number of followers on Koo app. He is counted as the most active chief minister and politician on social media.

DMRC submits 3rd plan to connect Sector 62 Metro to Vaishali

The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) recently submitted a tentative plan to extend the Delhi Metro line to Ghaziabad city. This was the third time that DMRC submitted the plan.

The proposed plan is to connect Metro's Sector-62 line to Vaishali. It spans a distance of 5.83 km and aims to connect Noida's Sector-62 Metro station to Vaishali Metro station in Ghaziabad.

According to Manvendra Singh, chief engineer of the Ghaziabad Development Authority (GDA), the new plan suggests a route passing through Indirapuram before reaching Vaishali station. Singh said, 'The two previous plans have not been dropped. They are under consideration process. We will now study the new plan to find out whether it is feasible. Land is required for construction and, later, the funding pattern will be decided.'

Once the detailed project report is completed, the officials estimate that the budget for the proposed 5.83 km metro line would range from Rs 1,300 crore to Rs 1,400 crore.

The planned metro line is expected to traverse areas near CISF, DPS Indirapuram, Ramlila Ground, Niti Khand, Gyan Khand, and Ramprastha before reaching Vaishali Metro station. Additionally, the new plan proposes the development of four stations near Vaibhav Khand, DPS, Niti Khand, and Gyan Khand.

Earlier in January 2020, the DMRC presented a proposal to connect Noida's Sector-62 and Sahibabad at an estimated cost of Rs 1,517 crore. Furthermore, a second line connecting Vaishali with Mohan Nagar at a cost of Rs 1,808.22 crore was also submitted.

However, the GDA's request for state funding was denied by the state government in January this year. In May, the state once again refused to provide 50 percent funding for the two extensions.

The new plan has gained prominence due to the ongoing construction of the Regional Rapid Transit System (RRTS), which aims to link New Bus Adda to Sahibabad and further extend to Anand Vihar in Delhi.

A GDA official stated, "The earlier two plans were proposed when the option of RRTS was not available. Therefore, a new route has been proposed since the RRTS is about to commence operations."

"We believe that city commuters who wish to travel to Sahibabad and Anand Vihar can utilize the RapidX trains on the RRTS line. The recently submitted tentative plan would involve acquiring private land in certain areas. Hence, the authority is evaluating the new plan and may give it the green light once other formalities are cleared," added the official.

Over 1.39 Lakh Candidates From Uttar Pradesh Qualify NEET Exam

Tamil Nadu's Prabanjan J and Andhra Pradesh's Bora Varun Chakravarthi have topped the medical entrance exam NEET-UG this year with 99.99 percentile scores, the National Testing Agency (NTA) announced on Tuesday. A total of 11.45 lakh candidates out of 20.38 lakh have qualified the exam. Among the states, Uttar Pradesh has highest number of qualifying candidates (1.39 lakh) followed by Maharashtra (1.31 lakh) and Rajasthan (over 1 lakh).

Uttar Pradesh and Maharashtra are the two most populous states in the country while Rajasthan also figures in the top ten in terms of population.

The NTA conducted the National Eligibility-cum-Entrance Test (UG) at 4,097 centres located in 499 cities throughout the country including 14 cities outside India on May 7.

"Seven candidates were identified using unfair practices in the examination and have been dealt with as per the norms," a senior NTA official said. The examination was conducted in 13 languages (Assamese, Bengali, English, Gujarati, Hindi, Kannada, Malayalam, Marathi, Odia, Punjabi, Tamil, Telugu, and Urdu).

The examination was also conducted outside India in Abu Dhabi, Bangkok, Colombo, Doha, Kathmandu, Kuala Lumpur, Lagos, Manama, Muscat, Riyadh, Sharjah, Singapore along with Dubai and Kuwait City.

"The NTA has provided all India rank to the candidates and the admitting authorities will draw merit list based on the ranks for the seats of MBBS and BDS falling under their jurisdiction.

"When candidates apply to their state, they will mention their category as per state category list. State counselling authorities will accordingly make their merit list. The same is the case with the domicile. The NTA has no role in it," the official said.

इंतजार पसंद नहीं, जनता ने खुद ही खोल दिया पर्थला ओवरब्रिज को

बन जाने के बाद भी प्राधिकरण नहीं कर रहा था उद्घाटन

टीबीसी ब्यूरो

नोएडा। जब लोगों को कठिनाइयां होती है तो फिर वे उदघाटन का इंतजार नहीं कर पाते हैं। ऐसा ही हुआ है नोएडा के पर्थला ब्रिज के साथ काफी सालों से जिले की जनता पर्थला ब्रिज के खुलने का इंतजार कर रही थी, लेकिन जब नोएडा प्राधिकरण द्वारा पर्थला ब्रिज नहीं खोला गया तो जनता ने खुद उद्घाटन कर दिया। सोमवार दोपहर को जनता ने पर्थला ब्रिजओवर को ओपन कर दिया। सुबह से ही गाड़ियों का आना-जाना शुरू हो गया। नोएडा प्राधिकरण के अफसरों ने कहा था कि 12 जून को पर्थला ब्रिजओवर को खोला जाएगा, लेकिन अफसरों ने ब्रिज नहीं खोला। जिसके बाद जनता ने परेशान होकर खुद पर्थला ब्रिज का उद्घाटन कर दिया है। पर्थला गोलचक्कर पर केबल सस्पेंशन ब्रिज बनाया गया है। यह देखने में बेहद खूबसूरत ओवर ब्रिज है। इस प्रोजेक्ट को अप्रैल 2023 की शुरूआत में जनता को सौंपने की योजना थी, लेकिन बनने के बाद भी नहीं सौंपा गया। इस ब्रिज तक पहुंचने के लिए ग्रेटर नोएडा की तरफ 207 मीटर लंबा रैंप बन रहा है। नोएडा की तरफ रैंप की लंबाई 287 मीटर है। इसमें 220 गर्डर और तीन पिलर हैं। फ्लाईओवर की लंबाई कुल 600 मीटर है और इस पर 6 लेन सड़क है। इस ब्रिज के बन जाने के बाद वाहन चालकों के सफर के समय में 30 से 45 मिनट की बचत होगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस ब्रिज का काम दिसंबर 2020 में शुरू हुआ था। इसके बाद से कई समय सीमाएं खत्म हो गई हैं। वैसे इसका निर्माण जून 2022 में पूरा हो जाना चाहिए था। अब नई समय सीमा 31 मार्च 2023 थी, जो बीत चुकी थी। अधिकांश निर्माण कार्य पूरा होने के बाद प्राधिकरण के अधिकारी अब मई के अंत तक या फिर जून के पहले हफ्ते में पुल के शुभारंभ करने की उम्मीद कर रहे थे। अब जनता ने परेशान होकर खुद सिग्नेचर ब्रिज (पर्थला ब्रिज) खोल दिया है। पर्थला ब्रिज से सेक्टर 51, 52, 61, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 121, 122 और किसान चौक की ओर से आने-जाने वालों का सफर आसान हो जाएगा। इसी के साथ दिल्ली से गाजियाबाद और हापुड़ की ओर से आने-जाने वालों का सफर आसान हो जाएगा। दिल्ली से गाजियाबाद और हापुड़ की ओर से आने-जाने वाले लोगों को भी राहत मिलेगी। इस ब्रिज के शुरू हो जाने से वाहन चालकों को जाम में फसना नहीं पड़ेगा। जिससे उनकी समय की बचत होगी और सफर भी बेहद आसान हो जाएगा। सोमवार सुबह से ही पर्थला ओवर ब्रिज पर रखे खंभे को हटा कर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। एक वाहन चालक ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के पास ब्रिज के उदघाटन करने का समय नहीं है। इस कारण वाहन चालक क्यों परेशान हो। इसके लिए आसान तरीका अपनाया गया। ब्रिज को ओपेन करते ही वाहन फर्राटा भरने लगे।

वसुंधरा और सिद्धार्थ विहार में बढ़ गए सर्किल रेट

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अब घर खरीदना और भी ज्यादा मुश्किल हो गया है। जो लोग गाजियाबाद में घर खरीदने का सपना देख रहे हैं, उनके लिए झटका है। उनको अब ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। गाजियाबाद आवास विकास परिषद की तरफ से वसुंधरा और सिद्धार्थ विहार में सर्किल रेट बढ़ा दिए गए हैं। यह सर्किल रेट 1,000 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक बढ़ाए गए हैं। गाजियाबाद आवास विकास परिषद के द्वारा नई कीमत की लिस्ट जारी कर दी गई है।

आवास विकास परिषद के अधिकारियों ने बताया कि वसुंधरा और सिद्धार्थ विहार में काफी समय बाद जमीन के रेट बढ़ा दिए है। रिपोर्ट के मुताबिक वसुधंरा के सम और विषम सेक्टरों में 2 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से सर्किल रेट बढ़ाया गया है। अब कीमत बढ़कर 61 हजार और 68 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर हो गई हैं। इसके अलावा सिद्धार्थ विहार में एक हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से सर्किल रेट बढ़े हैं। यह नई दरें नीति लागू हो गई है।

नए सर्किल रेट के मुताबिक वसुंधरा के सम सेक्टरों में पहले 66,300 प्रति वर्ग मीटर सर्किल रेट था, लेकिन अब बढ़कर 68,300 किया गया है। विषम सेक्टरों में सर्किल रेट 59,900 से बढ़ाकर अब 61,900 रुपए प्रति वर्गमीटर कर दिया गया। सिद्धार्थ विहार योजना में पहले का सर्किल रेट 57,970 रुपये प्रति वर्गमीटर था और अब बढ़कर 58,820 रुपये प्रति वर्गमीटर हो गया है।

दूसरी ओर बहुमंजिला भवनों पर किसी तरह की वृद्धि नहीं की गई है।

करियर की बातें टीबीसी के साथ

कैसे करें बिना कोचिंग के जेईई मेन्स की तैयारी

जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) परीक्षा को पास करने के लिए आज कल ज्यादातर स्टूडेंट्स अच्छे और महंगे कोचिंग सेंटर में तैयारी करने के लिए जाते हैं, परन्तु कुछ ऐसे स्टूडेंट्स भी हैं जो जेईई कोचिंग की फीस को अफ़फोर्ड नहीं कर पाते है। ऐसे स्टूडेंट्स पहले यह भरोसा करें कि बिना कोचिंग के जेईई मेन्स परीक्षा की तैयारी बिलकुल संभव है और अगर आप एक सॉलिड स्ट्रेटेजी बनाकर उसका अनुशासित ढंग से पालन करते हैं तो आप जेईई मेन्स 2024 को बिना कोचिंग के पास कर सकते हैं।

कोचिंग के बिना कैसे करें जेईई मेन्स परीक्षा की तैयारी?

बिना कोचिंग के जेईई मेन्स परीक्षा की तैयारी आपको बहुत ईमानदारी के साथ करनी होगी, क्योंकि यह इंजीनियरिंग फील्ड की एक उच्च स्तरीय परीक्षा है। नीचे बताई गई योजना के अनुसार यदि आप पढ़ाई करते हैं तो आपको निश्चित रूप सफलता मिलेगी।

परीक्षा की सही जानकारी प्राप्त करें :

जेईई मेन्स परीक्षा के लेटेस्ट सिलेबस, एग्जाम पैटर्न और मार्किंग स्कीम के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करें। आप आधिकारिक वेबसाइट, पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र और सैंपल पेपर से यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नियमित अभ्यास करें: रेगुलर प्रैक्टिस की आदत अपनाएं। एक अच्छी प्रैक्टिस स्ट्रेटेजी प्रारंभिक रूप से आपको परीक्षा पैटर्न को समझने, प्रश्नों को सोल्व करने की स्पीड बढ़ाने और टाइम मैनेजमेंट करने में मदद करेगा।

सेल्फ स्टडी करें: कोचिंग के बिना भी आप सेल्फ स्टडी करके आगे बढ़ सकते हैं। सही स्टडी मटेरियल, वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और अन्य ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करें। इंटरनेट पर विभिन्न साइटों पर नोट्स, स्टडी मटेरियल और ट्यूटोरियल्स उपलब्ध होते हैं, जिन्हें आप फ्री मे डाउनलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट का उपयोग करें: रेगुलर लास्ट टेस्ट और मॉक टेस्ट सीरीज में भाग लें। यह आपको परीक्षा के बारे में अधिक जानकारी देगा और आपकी टाइम मैनेजमेंट करने की क्षमता को बढ़ाने मे मदद करेगा।

ग्रुप स्टडी करें: आपके दोस्त जो खुद भी जेईई मेन्स की तैयारी कर रहे है उनके साथ ग्रुप स्टडी करें। इससे आपको नए विचार सुझेंगे, आप बहेतर स्टडी नोट्स बना सकेंगे और डाउट क्लियर करने मे आपको मदद मिलेगी।

हेल्थ और डाईट का ध्यान दे: अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित एक्सरसाइज करें और हेल्दी डाईट लें। यह आपको मानसिक रूप से ताजगी और ऊर्जा प्रदान करेगा जो परीक्षा के समय महत्वपूर्ण है।

पोसिटिव माइंडसेट रखें: आत्मविश्वास बनाए रखें और निरंतर मेहनत करें। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए निरंतर प्रयास करें।

ऑनलाइन रिसोर्सेस का उपयोग करें: इंटरनेट पर जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन की तैयारी के लिए विभिन्न ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध हैं। ऑनलाइन क्लासेज, वीडियो ट्यूटोरियल्स, वेबसाइट्स और एप्स आपको विषय संबंधी कंटेंट प्रदान कर सकते हैं।

विश्व रक्तदान दिवस 14 जून पर विशेष

एक यूनिट रक्त से तीन जिंदगियां बचाई जा सकती है

टीबीसी न्यूज

बुधवार यानि 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस था। साल 1868 में 14 जून के दिन कार्ल लैंडस्टीनर का जन्म हुआ था। कार्ल एक मशहूर इम्यूनोलॉजिस्ट थे, जिन्होंने इंसानों में अलग-अलग ब्लड ग्रुप का पता लगाया था।कार्ल की इस खोज के बाद ही एक इंसान से दूसरे इंसान में ब्लड ट्रांसफ्यूजन मुमकिन हो सका है। कार्ल का यह प्रयास जिंदगियां बचा रहा है। इसके बावजूद ब्लड डोनेशन को लेकर लोगों के मन में कई तरह की गलतफहमियां हैं। जैसे- खून देने से कमजोरी आती है, खून से शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी हो जाती है, बार-बार बीमार होते हैं। लोग यह भी समझते हैं कि खून देने से सिर्फ खून चढ़ने वाले को ही फायदा होता है, ब्लड डोनेट करने वाले को सिर्फ नुकसान होता है।

इन सब बातों के पीछे का सच्चाई नहीं है। आइए जानते हैं क्या है सच्चाई। रक्तदान एक नॉर्मल प्रोसेस है। एक सामान्य व्यक्ति एक बार में 1 यूनिट ब्लड डोनेट करके 3 लोगों की जान बचा सकता है।

कैंसर से लेकर इमरजेंसी सर्जरी और एक्सीडेंट की वजह से कई बार लोगों का काफी ब्लड लॉस हो जाता है। इस कंडीशन में उन्हें ब्लड की जरूरत होती है।

ऐसे लोगों को ब्लड डोनेट करके उनकी जरूरत को पूरा किया जा सकता है। उन्हें नई जिंदगी इससे मिल सकती है।

रक्तदान डोनर के लिए काफी फायदेमंद है।

जैसे- इससे शरीर तमाम बीमारियों से बचा रहता है और दिमाग एक्टिव होता है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है, दिल की सेहत यानी हार्ट में भी सुधार होता है। वेट कंट्रोल में रहता है और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। इमोशनल हेल्थ में भी सुधार ये करता है।

और सबसे जरूरी कि ब्लड डोनेट करके आप किसी जरूरतमंद की जान बचा सकते हैं।

किन परिस्थितियों में नहीं करना चाहिए रक्तदान

कुछ समय पहले मलेरिया हुआ था तो 3 महीने तक रक्तदान न करें।

हाल ही में टाइफाइड से ठीक हुए हैं, तो अगले 12 महीने तक रक्तदान न करें।

टीबी पेशेंट को इलाज पूरा होने के बाद 2 साल तक रक्तदान नहीं करना चाहिए।

कोई बड़ी सर्जरी हुई हो, वो 12 महीने तक और छोटी सर्जरी के बाद 6 महीने तक रक्तदान नहीं करना चाहिए।

महिलाओं को पीरियड्स के दौरान रक्तदान नहीं करना चाहिए।

अबॉर्शन यानी गर्भपात कराने के बाद 6 महीने तक रक्तदान नहीं करना चाहिए।

वजन का रखें ख्याल

जो लोग ब्लड डोनेट कर रहे हैं उनका वजन कम से कम 45 किलो होना चाहिए।

रक्तदान करने से कोई नुकसान नहीं होता है। थोड़ी बहुत कमजोरी लगती है। अच्छी डाइट लेने से ये परेशानी भी जल्दी ठीक हो जाती है। बस रक्त देने के बाद ऐसा खाना खाएं जिसमें आयरन मौजूद हो। मटर, दाल, बीन्स, टोफू, हरी सब्जी जैसे पालक, किशमिश डाइट में शामिल करें।

अगर बढ़िया स्क्रिप्ट और स्टोरी मिली तो भोजपुरी फिल्म जरूर करूंगा: मनोज बाजपेयी

टीबीसी न्यूज

लखनऊ। 'सिर्फ एक बंदा' के प्रमोशन के लिए लखनऊ पहुंचे मनोज बाजपेयी ने आने वाले समय में अपनी प्लानिंग के बारे में खुलकर बातें कीं। उन्होंने कहा कि अगर बढ़िया स्क्रिप्ट और स्टोरी मिलेगी, तो मैं भोजपुरी में भी जरूर काम करना चाहूंगा। हर किसी का एक दौर होता है। भोजपुरी सिनेमा का भी है। मौजूदा समय में भोजपुरी सिनेमा थोड़ा डाउन जरूर है। लेकिन, वह ऊपर आ जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक बंदा काफी है फिल्म समाज की सच्चाई को दिखा रही है। हमारे समाज का आइना है। इसमें बेहद कड़वी सच्चाई को दशार्ता है। फिल्म का सब्जेक्ट बहुत ही ज्यादा संवेदनशील है। कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने में हमें कई साल तक कड़ी मेहनत और रिसर्च करनी पड़ी। नेशनल पीजी कॉलेज में फिल्म के प्रमोशन के लिए आए एक्टर मनोज बाजपेयी ने कहा कि ओटीटी में रियल लाइफ से जुड़े कंटेंट आ रहे हैं। सिनेमा एक खास धारा से बनता आ रहा है। वहां जगह नहीं थी, लेकिन अब वह जगह ओटीटी के रूप में मिल रही है। इसकी वजह से बड़े कलाकार निकल कर सामने आ रहे हैं। उन्होंने भोजपुरी में बातें कर दर्शकों को रिझा दिया। मनोज बाजपेयी ने कहा कि भोजपुरी में बहुत बढ़िया फिल्म आइल रहे। हम त चाहत बानी की भोजपुरी सिनेमा बीच-बीच जइसे अच्छा कइले बाटे फिर से उ दौर आवे के चाहीं। ज्यादा से ज्यादा लोकल प्रतिभा के काम करे के मौका मिले। हम त शुरू से हिंदी सिनेमा कइले बानीं। उहे करे खातिर बंबई गईल रहनीं। बढ़िया काम मिले त आई ओहमें।

मुख्यमंत्री ने बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर्स छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

नकल माफिया का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए: योगी आदित्यनाथ

टीबीसी ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश बोर्ड नकल के लिए बदनाम था। हमारी सरकार ने नकल विहीन परीक्षा व्यवस्था लागू की। नकल माफिया समाज के सबसे बड़े दुश्मन हैं। नकल कराकर शिक्षण संस्थानों को अपवित्र करने वाले नकल माफिया का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए। प्रशासन भी नकल माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छह वर्ष पहले प्रदेश में तीन महीने तक परीक्षाएं होती थीं। 2 से 3 महीने में परिणाम आते थे। तीन महीने अगली कक्षा के प्रवेश में तीन लग जाते थे तो 3 महीने का समय पर्व और त्योहारों में चला जाता था। शिक्षण संस्थानों में पठन और पाठन कम ही देखने को मिलता था। उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने ऐसा पहली बार किया है कि 15 दिन के अंदर परीक्षा हुई है और 14 दिन के अंदर परिणाम भी आ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लोकभवन में आयोजित मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश के विद्यालयों में पर्याप्त मात्रा में शिक्षक नहीं थे। हमारी सरकार ने छह वर्ष में बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद के 1 लाख 62 हजार से अधिक शिक्षकों की पारदर्शी तरीके से चयन की प्रक्रिया को पूरी करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिया। इतने शिक्षकों की सरकारी नियुक्ति कहीं देश भर में नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑपरेशन कायाकल्प माध्यम से 1 लाख 33 हजार विद्यालयों को बहुत अच्छा विद्यालय बनाया है। उन्होंने ने कहा कि छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए हम दो करोड़ युवाओं को टैबलेट स्मार्टफोन दे रहे हैं। जिन अभिभावकों, छात्रों के पास कोचिंग के लिए पैसे नहीं हैं, उसके लिए अभ्युदय कोचिंग की स्थापना की गई है। इस कोचिंग के माध्यम से इस वर्ष की सिविल परीक्षाओं में 23 बच्चे सेलेक्ट हुए। इसी तरह यूपीपीएससी की परीक्षा में भी 98 छात्र सफल हुए हैं। बालिकाओं के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना चल रही है। इस मौके पर प्रदेश भर के कुल 1745 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है। मेधावी छात्र-छात्राओं को एक लाख रुपये, टैबलेट, मेडल और प्रशस्ति पत्र दिया गया। साथ ही 18 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के भवनों व 125 विज्ञान प्रयोगशालाओं का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी के अलावा माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव दीपक कुमार, डीजी स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद में अतुल गर्ग ने किया मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रदेश के सभी जिलों में बुधवार को दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में टॉपर्स छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। गाजियाबाद में पूर्व मंत्री व विधायक अतुल गर्ग ने जिले के टॉपर्स छात्र-छात्राओं को टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। जिले के कुल 21 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया।

कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह और सीडीओ विक्रमादित्य सिंह मलिक भी शामिल हुए। इससे पूर्व हाईस्कूल एवं इन्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण जनपद स्तरीय मेधावी 21 छात्र-छात्राओं को कल मंगलवार को 21 हजार रुपए की धनराशि उनके अकाउंट में हस्तांतरित की गई थी। प्रदेश स्तर पर मेरिट लिस्ट में होने के कारण इंटरमीडिएट के छात्र अमान सैफी को एल लाख की प्रोत्साहन धनराशि उसके अकाउंट में सीधे हस्तांतरित की गई।

इस मौके पर पूर्व मंत्री व विधायक अतुल गर्ग ने कहा कि जो मेहनत करता है वह सम्मान का हकदार होता है। जिन मेधावी छात्र-छात्राओं ने यह सम्मान प्राप्त किया है, उन्होंने कुछ न कुछ त्याग अवश्य किया है। बिना मेहनत इस तरह की सफलता हासिल नहीं हो सकती है। उम्मीद है कि यह पुरस्कार उन्हें और आगे बढ़ने की और मेहनत करने की प्रेरणा देगा।

जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि छात्रों के सुनहरे भविष्यों को पूरा करने के लिए सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही हैं। यह सम्मान सिर्फ छात्रों का नहीं बल्कि उनके जनपद, स्कूल, शिक्षकों व अभिभावकों का है जिन्होंने उन्हें शिक्षा की ओर बढाया है। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास ने सभी का आभार जताा।

इस अवसर पर स्कूलों की प्रधानाध्यापक, अभिभावक व छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पूनम शर्मा ने किया।

एनडीआरएफ में दिल्ली पुलिस के तीसरे बैच का प्रशिक्षण पूर्ण

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कमला नेहरु नगर स्थित एनडीआरएफ बटालियन में दिल्ली पुलिस के 40 जवानों के तीसरे बैच ने छह सप्ताह का आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण पूर्ण किया । कोर्स समापन समारोह के दौरान कमांडेंट प्रवीण कुमार तिवारी सभी जवानों से रुबरूह हुए और उनके अनुभव जाने साथ ही आपदा प्रबंधन से सम्बंधित अपने पूर्व अनुभवों को भी साझा किया। इस दौरान उन्होंने नव प्रशिक्षुओं को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आमजन के प्रति संवेदना, भूमिका और महत्ता की जानकारी दी। इस छह सप्ताह के प्रशिक्षण में दो सप्ताह का मेडिकल फर्स्ट रेस्पांडर, दो सप्ताह का ध्वस्त इमारत में सर्च एंव रेस्क्यू का प्रशिक्षण और एक सप्ताह के एक्वेटिक डिजास्टर रिस्पांस के साथ -साथ एक सप्ताह का रोप रेस्क्यू और केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एंव नाभिकीय आपदा प्रबंधन का भी प्रशिक्षण पांच चरणों में विस्तारपूर्वक पूर्ण किया गया ।

सभी बड़ी औद्योगिक इकाइयां रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं: जिलाधिकारी

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। जिले के भूगर्भ जल स्तर में सुधार लाने के लिए प्रशासन की ओर से पहल की गई है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने सभी औद्योगिक संगठनों से सभी औद्योगिक इकाइयों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने की अपील की है।

औद्योगिक जल दोहन और उपयोग के सुचारू प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राउंड वाटर सर्वे के अनुसार जनपद गाजियाबाद बहुत ज्यादा वाटर स्ट्रेस जनपदों में से एक आया है। वर्तमान में जनपद में भारी जल संकट संभावित है। अगर अभी से जल संचय नहीं किया गया तो विकट समस्या आ जाएगी। इसके लिए सभी बड़ी औद्योगिक इकाइयां भी अमृत सरोवर के रूप में जल संचयन करने वाले स्त्रोत तालाब, झील, कुएं आदि के संरक्षण के लिए आगे आएं।

उन्होंने कहा कि भूजल एनओसी प्राप्त करने वाली इकाइयों द्वारा अमृत सरोवर के रूप में कई तालाबों एवं झील को संरक्षण के लिए गोद लिया गया है। इसमें गाजियाबाद पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों को औद्योगिक प्रयोजन के लिए जल की आपूर्ति कराए जाने को लेकर परियोजना तैयार की जा रही है। इसके तहत औद्योगिक इकाइयों को मीटर आधारित सीवर का पानी ट्रीटेड करके दिया जाएगा। बैठक में औद्योगिक संगठनों की ओर से उक्त पानी की प्रति एमएलडी दर कम करने की मांग की गई। जल उपयोग के आधार पर ही बिल जनरेट किए जाएं। इस पर जिलाधिकारी ने महाप्रबंधक जल कल, नगर निगम एवं संबंधित संस्था को दूसरे जिलों की तरह ही जलापूर्ति की दरें तय करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक जलकल आनंद त्रिपाठी ने बताया कि इस परियोजना की डीपीआर तैयार किए जाने से पूर्व साहिबाबाद क्षेत्र की 1445 औद्योगिक इकाइयों द्वारा 36.26 एमएलडी पानी की आवश्यकता बताई गई थी। साहिबाबाद क्षेत्र की कुछ और इकाइयों द्वारा ही नगर निगम के साथ उक्त परियोजना समय जल आपूर्ति के लिए बांड साइन किए गए हैं। बैठक में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, डाबर इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील लिमिटेड, अंबिका स्टील लिमिटेड, फैशन फ्लेवर इंडिया लिमिटेड, बिरकन इंजीनियरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विश्व रक्तदान दिवस पर रोटरी क्लब गन्नौर व आरएचएएम फाउण्डेशन ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

पीपी रोटेरेरियन रवि बाली और आरएचएएम के फाउंडर डॉ. धीरज भार्गव ने किया शिविर का शुभारंभ

टीबीसी ब्यूरो

गन्नौर। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर और दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर विराट रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गन्नौर शहर में आयोजित रक्तदान शिविर में सैंकड़ों लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि पीपी रोटेरियन रवि बाली ने शिविर का शुभारंभ किया। उदघाटन मौके पर विशिष्ठ अतिथि आरएचएएम के फांउडर व चेयर डॉ. धीरज भार्गव भी उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर के अध्यक्ष रोटेरियन राकेश रूहाल और सचिव रोटेरियन प्रीतम लाल आहूजा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पीपी रोटेरियन रवि बाली ने कहा कि जब भी रक्त की आवश्यकता होती है, लोग रोटरी क्लब की ओर आशाभरी नजरों से देखते हैं। रोटरी क्लब ने सभी अस्पतालों और ब्लड बैंकों में पर्याप्त मात्रा में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने की ठानी है। इसके लिए समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि रक्त ही एक ऐसी चींज है, जिससे दूसरों की जान बचाने में योगदान देना होता है। आपका दिया हुआ रक्त किसी की जान बचाने में काम आएगा। जिसको आपका का रक्त दिया जाएगा, आप उसे जानते भी नहीं है। लेकिन वह रक्त पाकर आपको दुआ देगा। यह दुआ तीर्थ भ्रमण के समान होता है। इसलिए रक्तदान को महादान कहा जाता है। क्योंकि इससे किसी अंजान व्यक्ति को जिंदगी मिलने वाली है।

रवि बाली ने कहा कि सभी को साल में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

आरएचएएम के फांउडर व चेयर डॉ. धीरज भार्गव ने कहा कि विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर रोटरी क्लब की ओर से पूरे देश में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। लाखों यूनिटें रक्त एकत्र की गई।

इससे लाखों लोगों की रक्त की जरूरतें पूरी होंगी। सामाजिक क्षेत्र में रोटरी क्लब की ओर से किए जा रहे कार्यों से लाखों लोगों को फायदा हो रहा है। इस मौके पर डॉ. वी पी राठी, डॉ. संजय जैन, डॉ. धनखड़, रोटेरियन राजेश जैन, रोटेरियन विकास जैन आदि उपस्थित थे।

पम्प बंद होने की शिकायत पर महापौर पहुँची लाजपत नगर, किया निरीक्षण

पेय जल आपूर्ति नगर निगम की जिम्मेदारी: महापौर

टीबीसी ब्यूरो

गाजियाबाद। मोहन नगर जोन के वार्ड 85 लाजपत नगर पार्षद प्रमोद राघव द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें महापौर सुनीता दयाल ने लोगो को प्रशाद वितरण किया साथ ही स्थानीय पार्षद एवं जनता द्वारा लाजपत नगर स्थित ए ब्लॉक एवं जी ब्लॉक में 10 एचपी के लगे 2 पम्पो कि शिकायत की जिसका महापौर तत्काल निरीक्षण करने चल दी और मोके पर पहुँच कर निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ए ब्लॉक के 10 एचपी को देखा गया जिसकी की मोटर पानी नही उठा रही थी और उस पम्प द्वारा जल आपूर्ति नही हो पा रही थी। ऐसे ही जी ब्लॉक के 10 एचपी पम्प पर महापौर पहुँची तो बताया गया कि यह पम्प 2 वर्ष पूर्व में स्थापित किया गया था लेकिन आज तक विद्युत कनेक्शन न होने के कारण यह पम्प चल नही पाया है पूर्व में भी शिकायत की थी लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई। महापौर द्वारा बताया गया कि शहर में जलापूर्ति की जिम्मेदारी नगर निगम की है जिसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है लेकिन कुछ स्थानों पर शिकायत मिल रही है जिसके लिए लगातार संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर समस्याओं का निस्तारण कराया जा रहा है इसी क्रम में लाजपत नगर की पानी की समस्या का निस्तारण जल्द किया जाएगा और महापौर ने तत्काल संबंधित अधिकारी को समस्या से अवगत कराते हुए जलापूर्ति करने में निर्देश दिए।

नोएडा ऑथरिटी ने डिफॉल्टर बिल्डरों पर शुरू की कार्रवाई

सेक्टर-70 स्थित पैन रियलटर्स सोसाइटी के टावर को किया सील

टीबीसी ब्यूरो

नोएडा। शहर के डिफॉल्टर बिल्डरों पर एक्शन शुरू हो गया है। नोएडा ऑथॉरिटी की ओर से बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत बकाया नहीं चुकाने वाले सेक्टर-70 पैन रियलटर्स सोसायटी के बिल्डर पर बड़ी कार्यवाही करते हुए निमार्णाधीन टावर को सील कर दिया गया। इस बिल्डर पर भूमि आवंटन के सापेक्ष अथॉरिटी के करीब 470 करोड़ रुपए बकाया हैं। तमाम नोटिसों और चेतावनी के बावजूद बिल्डर ने प्राधिकरण को पैसा नहीं चुकाया है। नोएडा अथॉरिटी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने पैन रियलटर्स सोसायटी के निर्माणाधीन टावर को सील करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑथरिटी का बकाया नहीं देने वाले बिल्डरों पर सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी कर दिए हैं। ग्रुप हाउसिंग ओएसडी प्रसून द्विवेदी ने बताया कि बिल्डर को सेक्टर-70 में बिल्डर को भूखंड आवंटित किया गया था। यहां बिल्डर ने टावर खड़ा करने का काम शुरू कर दिया। करीब सात मंजिल का निर्माण हो चुका है। हालांकि इसे फ्लैट का रूप नहीं दिया गया है। इस अंडर कंस्ट्रक्शन साइट के टी-टावर को सील कर दिया है। साइट के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर सीलिंग की गई है। प्रसून द्विवेदी ने बताया कि लगातार चेतावनी देने के बावजूद बिल्डर बकाया पैसा जमा नहीं कर रहा है। पिछले दिनों मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने डिफॉल्टर बिल्डरों की अनसोल्ड प्रॉपर्टी जब्त करने का आदेश दिया था।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.